

झंडा बुलंद करो

पटना इक्सटेन्डेड राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में विभिन्न प्रदेशों तथा स्थानों के प्रतिनिधि सत्यापन के अवसर पर एकत्रित होकर दृढ़ता से निर्णय लिया कि **प्रत्येक दशा में एनएफटीई (बीएसएनएल) के झंडे को बुलंद रखा जाएगा।** प्रतिनिधिगण उत्साह तथा जोश से भरपूर तथा लबरेज थे। बिहार विशेषकर पटना वैसे भी परिवर्तन हेतु प्रसिद्ध है। आगामी वेरीफिकेशन अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निगम तथा कार्यरत कर्मचारियों के भविष्य हेतु निर्णायक हो सकता है। **वर्तमान में उपक्रम, बीएसएनएल तथा कर्मचारियों दोनों के ऊपर काली घटाएं हैं जिनसे निपटने के लिए जागरूक तथा सक्षम प्रहरी (संघ) की आवश्यकता है,** जिससे कि खतरे रूपी घटाओं के विरुद्ध बुद्धिमत्ता तथा दृढ़ता के साथ सामना करके इन्हें परास्त किया जा सके। एनएफटीई का अपना अनेक इतिहास है जिसकी प्रतिबद्धता केवल एकता है तथा सभी को साथ लेकर चलने की ख्याति है। इसने एनएफटी के तथा बीटीईएफ को साथ लेकर सितम्बर 2000, में संघर्ष किया था तथा सरकार से सरकारी पेंशन, नौकरी की सुरक्षा तथा बीएसएनएल की आर्थिक जीवन क्षमता की गारंटी ली थी। अतः पूर्ण विश्वास है कि कर्मचारी बंधु अपने मतों का प्रयोग करते समय एनएफटीई की भूमिका को दिल तथा मस्तिष्क में रखेंगे।

एनएफटीई को नवीन मान्यता के अनुसार आठ वर्षों के अंतराल में उस समय मान्यता प्राप्त हुई जब कम्पनी रूपया 7,000/- करोड़ से भी अधिक हानि में थी। इसे बीआरपीएसई में भेजने की चर्चाएं जोरों पर थी। कर्मचारियों की अनेक समस्याएं भी बहुत अधिक समय से लाम्बित थी।

संघ की प्राथमिकता होती है कि वह जीविका प्रदान करने वाले संगठन, बीएसएनएल, को आर्थिक रूप से सुदृढ़ रखे। छठवें वेरीफिकेशन के समय हमने वादा किया था कि सुंदर वातावरण कार्यालयों में उपलब्ध होगा जिससे कि वे बिना भेदभावपूर्ण ट्रांसफर्स के भय से कार्य कर सकें। सामग्रियों की कमी के मुद्दे पर निरंतर आवाज बुलंद की गई। क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के मामलों को भी उठाया गया। इन प्रयासों से परिणाम आया तथा वर्तमान में कम्पनी रूपया 672 करोड़/- के ऑपरेशनल लाभ में है। कम्पनी की आर्थिक दिशा में हमने पूर्णतः अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है।

अनेक गम्भीर समस्याएं जैसे कि 78.2% आईडीए वेतन निर्धारण लाभ, चाइल्ड केयरलीव, टीटीएज तथा अन्यों को वेतन संशोधन के फलस्वरूप वेतन में कमी, जेटीओ/जेएओ, टीटीएज/टीएमएस आदि के भर्ती नियम, नियमित मजदूरों का प्रसिडेशियल आदेश, अनुकम्पा नियुक्ति पद्धति, जेटीओ/जेएओ, टीटीए तथा टीएमएस की नियमित परीक्षाएं पदनाम में परिवर्तन, सीधे भर्ती कर्मचारियों हेतु सेवानिवृत्ति लाभ नियम आदि लाम्बित थे। बहुत सी समस्याओं का समाधान हुआ है तथा कुछ बोर्ड में अनुमोदन हेतु लाम्बित हैं। संघ के प्रयासों के परिणामस्वरूप तमिलनाडु तथा जम्मू-कश्मीर के बाढ़ से प्रभावित कर्मचारियों को बाढ़ अग्रिम धनराशि बोर्ड द्वारा स्वीकृत हुई। इस मुद्दे पर पूर्व के सभी सरकारी नियमों को दरकिनारा करके कम्पनी ने अपना निर्णय लिया। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए नेशनल कौंसिल की नियमित बैठक सुनिश्चित हुई।

आज कम्पनी तथा कर्मचारियों के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं। इनमें से कुछ जैसे कि टावर कंपनी की स्थापना, एमटीएनएल का बीएसएनएल के साथ मरजर, कर्मचारियों की संख्या में कटौती जबरदस्ती रिटायरमेंट (सीआरएस) आदि हैं जिनका सोच विचार तथा साहस के साथ सभी को एकत्रित करके मुकाबला करना है। सिविल तथा इलेक्ट्रिकल विंग, टेलीकॉम फैक्टरीज एवम् टेलीग्राफ ट्रैफिक के कर्मचारियों के पदनामों में परिवर्तन तथा अन्य समस्याओं का समाधान आवश्यक है। संघ ने ऐसे कर्मचारियों को प्रोन्नति में मुख्य धारा में प्रवेश सुनिश्चित किया है। **हम अपनी प्रतिबद्धताओं से कभी विमुख नहीं हुए हैं। हम कभी मधान्ध नहीं हुए हैं तथा सभी को सम्मान दिया है। शक्ति तथा ज्ञान के नशे में न तो लिप्त हैं एवम् नाही डंका पीटते हैं।**

हमारा साथियों से अपील है कि वे अपना अमूल्य मत 10 मई के चुनाव में बैलेट पेपर के क्रमांक (16) पर मुहर लगाकर एनएफटीई को प्रचंड समर्थन दें। हमारा वादा ही नहीं दृढ़ **संकल्प है कि कर्मचारी तथा बीएसएनएल की सुरक्षा हेतु हम चढ़ान की भंति खड़े रहेंगे।**

विरोधी एनएफटीई को नष्ट करने की विभिन्न स्थानों पर बांसुरी बजा रहे हैं। हमें पूर्ण विश्वास है यह उनका केवल **“मुंगेरी लाल का हसीन सपना”** प्रमाणित होगा।

Keep the Banner High

The participants hailing from different parts of the country assembled at Patna, popularly known for change, on the eve of Extended National Executive Meeting were full of enthusiasm and determination and **firmly decided to keep the banner of NFTE high in the ensuing verification scheduled to take place on 10th May, 2016**. The ensuing verification is of great significance as same may decide the destiny of employees and PSU both Presently, many dangers are hovering around the BSNL and workforce as such ***watchguard i.e elected majority union need to be vigilant and alert to safeguard the employees and the entity***. The history of NFTE, known as unifier, is well known and fully established as it secured guarantee of Govt Pension, job Security and financial viability of the BSNL after the struggle in September, 2000. Therefore, all employees will definitely keep in mind the role played by the giant organization before casting their votes.

The NFTE after a gap of 8 years secured recognition as per New Rule, 2012 at a time when the BSNL was in loss of more than Rs. 7,000/- crores and talks were on to send the same to BRPSE of DPE. Numerous staff problems were also pending for a very long period.

The primary duty of any union is to keep the bread earner financially strong for betterment of the workforce. At the time of 6th verification we promised to create congenial environment for the employees to work whole heartedly without fear of partisan transfers. The shortage of materials and equipments was focused before the management. Strong voice was raised against misdeeds and corruption in the field. These brought the result and today the company is in operational profit of Rs. 672/- crores. We fully discharged the obligations as for as financial health of the Company is concerned.

There had been numerous and serious problems viz 78.2% IDA fixation benefits, wage loss to TTAs and others, Child Care leave, new RRs for TTAs, JTOs/JAOs, TMs, Pos to RMs, CGA procedure, Regular Examinations for promotion to JTO, JAO, TTA and TMs, change in designation, superannuation benefits to D/R staff etc. Most of the problems are settled and few are in Board for approval. The flood effected staff in Tamilnadu and J&K were extended flood advance by Board throwing away all past conventions and practice due to serious pursuance by the union. We ensured regular meeting of National Council for settlement of problems.

There are many challenges around the Company and employees. These specially formation of separate Tower Company, MTNL merger with BSNL, staff reduction, compulsory retirements etc have to be handled with tact, courage, wisdom any by unifying all the unions and employees. The redesignation of Cadres in Civil, Electrical Wing, Telecom Factories and Telegraph Traffic personnel as well as their other problems have to be settled. We have secured their promotion in mainstream higher Cadres. The NFTE true to its traditions and practice will never lag behind from its responsibilities as ***It does not suffer from intoxication of power and knowledge and firmly believe in dignity and respectability to all***.

Therefore, we appeal to all employees to Vote for NFTE on 10.5.2016 and assure everyone that NFTE will not leave any stone unturned to protect the future of employees and BSNL. We look forward that the dream of evil forces for destroying NFTE will prove only "Mungeri Lal Ka Haseen Sapna".
